अपिल २६ अप्रैलका !

दुनिया को विकिरण से प्रदूषित करने के ख़िलाफ़ एक कलात्मक, बौद्धिक और शास्त्रीय जनआंदोलन

प्रस्ताविक

यह अपिल कोई राजनीतिक दलका नौता नहीं, ना ही कोई ट्रेड-यूनियन या कोई दबाव गुट या किसी समुदाय का यह अपिल है। इस अपिल का मूलस्रोत है एक नाटक कम्पनी जो गए १६ सालोंसे अपने कला का आधा हिस्सा कला और विकिरण प्रदूषण के ख़िलाफ़ जनजागरण के बीच की कड़ी बनाने में जुटाती रही है।

अपने इस ग्रह का भविष्य, जो की विकिरण से प्रभावित होने की केवल संभावना नहीं है बल्कि एक हक़ीक़त है, जिसे हम सिर्फ रोकने की कोशिश कर सकते है। आज पर्याय यह है की हम अपना कामकाज बरकरार रखते हुए संख्याकी के तौर पर और जादा दुर्घटनाओंका अनुमान लगा सकते है।

जैसे की मानवी इतिहास में २६ अप्रैल १९८६ मे चेर्नोबिल मे हुई विपत्ति और ११ मार्च २०११ मे जापान के फुकुशिमा मे घटी हुई महादुर्घटना, यह दो परमाणु उत्पात आज भी मानवता को आघात पहुंचा रहे है।

यह दो महादुर्घटनाए, और ऐसेही कही सारी पूर्वानुमानित दुर्घटनाए जो सर पे मंडरा रही है, उनका वैशिष्ट्य यह है की उनकी शुरुवात तो होती है लेकिन उनका कोई अंत नहीं होता। उनका अंत होने मे हजारो साल लगेंगे जब उससे निकले किरणोत्सारी पदार्थ की उम्र (जिसे वो 'आधी उम्र' कहते है) जो की आज धरती, सागर और हवा मे फैले है, खतम होगी।

हम यह मानते है की हर जानकार आदमी इस किरणोत्सारी प्रदूषित भविष्य को रोकना चाहेगा, लेकिन उसे यह शायद मालूम ना हो की यह कैसे करे। यह सच है की अब तक हम दुनियाको धीमी गति से किरणोत्सार से प्रदूषित करने को रोक नहीं पाये है।

जितना समय जाएगा उतना जादा हम यह महसूस करेंगे की हम एक आण्विक-शिशिर की तरफ बढ़ रहे है। किसी राजनैतिक या प्रशासकीय व्यवस्था में , किसी न्यायिक व्यवस्था या विश्वविद्यालय मे यह आण्विक समर्थनीय पागलपन को रोक पाने की क्षमता नहीं है। ऐसा लगता है की कोई इसे टस से मस नहीं कर सकता। महा दुर्घटनाए भी नहीं, परमाणु युद्ध की आशंका भी नहीं, भारीभक्कम वित्तीय घाटे भी नहीं, वह विकास कार्यक्रम भी नहीं जो दिन ब दिन खींचते चले जा रहे है, ना ही परमाणु कुडे का ढेर और ना ही शास्त्रीय अभ्यासकों के अहवाल जो परमाणु वैज्ञानिकॉ के दावों का खंडन करते है।

तो अब क्या करे?

एक अपील

अब समय आ गया है की, अपने समय के सभी, जो सर पे मंडराते हुये परमाणु आपत्ति, भले वो नागरी उपभोग, जैसे की परमाणु ऊर्जा की हो या फौजी, आण्विक शस्त्रों की हो , से प्रबुद्ध और जागरूक है वह हर एक आदमी उठ खड़ा हो।

सन २०१६ इस विषय की जनजागरूकता का वर्ष होना चाहिए। ११ मार्च २०१६ को फुकुशिमा की दुर्घटना शुरू हो के ५ साल पूरे होंगे और २६ अप्रैल २०१६ को चेर्नोबिल दुर्घटना शुरू हो के ३० साल पूरे होंगे। पूरी दुनिया मे यह दो दिन उन लोगोंके स्मृति मे मनाए जाएंगे जो इन हादसोंका शिकार हुये है। अब यह कदापि स्वीकार नहीं होगा के परमाणु उत्पादक गुट यह तय करे की इस विषय मे क्या सोचा जाए, क्या बोला जाए, क्या लिखा जाये और किसका प्रचार किया जाये।

आज से हम, कलाकार, लेखक, कवि, सड़क-कलाकार, सर्कस के कलाकार, नर्तक, अभिनेता, फोटोग्राफर, वृत्तचित्रकर, पत्रकार, शिक्षक, ग्रंथपाल, वैज्ञानिक, संशोधक, सिनेमा और रंगमंच व्यवस्थापक, उत्सव आयोजक, राजनीतिज्ञ, कार्यकर्ता और जागरूक नागरिक एकसाथ मिल के इस किरणोत्सार से प्रदूषित भविष्य के खिलाफ आवाज उठाएंगे। इस दौरान हम निर्माण करेंगे या स्वागत करेंगे नृत्य और नाटकोंका, वृत्तचित्रों के प्रदर्शनों का, कला प्रदर्शनियों का, शोभायात्रा का, सार्वजनिक संगोष्ठियों का . . .

चलिये ११ मार्च से २६ अप्रैल, इन सात हफ़्तो मे हम लिखे गए नाटकोंका रंगमंचीय सादरिकरण करे, उसी समय और कही जगहों पर वह हस्तलिपी पढ़ी जाए, इस विषय पर आधारित फिल्मे दिखाये, छायाचित्रोंका प्रदर्शन करे, शालाए, विश्वविद्यालयो मे चर्चासत्र और संगोष्ठी का आयोजन करे।

यह कलाकार, बुद्धिजीवियों और वैज्ञानिको द्वारा आयोजित आंदोलन अपने किरणोत्सारी भविष्य के बारे मे सामान्य नागरिकों को अवगत करने मे मदतगार साबित होगा। और यह हजारो प्रदर्शनी, पुस्तके, अहवाल, छायाचित्रे, पैंटिंग्स, नृत्य नाट्य, कविताए, महफ़िले, संगोष्ठिया, शोभायात्राए कामयाब होगी अपनी मक़सद मे।

यह अपील इसलिए प्रसारित किया जा रहा है की हर एक इस विषय के बारे मे सोचे, पढे, संवाद करे, इसका समर्थन ढूँढे, इसके लिए निधि और मंच की खोज करे।

आप हमे यहा संपर्क कर सकते है : brut-de-beton@orange.fr
द्वारा ब्न्युनों ब्यूसागों
दूरध्वनी : (00 33) (0) 4 63 31 50 12
द्वारा आंद्रे लारिव्हियरे
वैबसाइट : http://www.brut-de-beton.net

मैं इस अपील पे हस्ताक्षर करना चाहता हूँ।

कुलनाम : नाम :

गुट, कंपनी या संस्था का नाम (अगर लागू हो।) :

ईमेल :

टेलीफोन नंबर :

मैं निम्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहता हूँ।

कृपया प्रस्तावित कार्यक्रम का पूरा विवरण दीजिये :

दिन : समय : (११ मार्च से २६ अप्रैल २०१६ के बीच)

स्थल : (देश, शहर, स्थल या थिएटर/हाल)

इस कार्यक्रम के बारे मे जिस व्यक्ति से संपर्क करना है उसका विवरण :

नाम :
टेलीफोन :
पता :
ईमेल :